दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 चाचा पर भतीजा भारी! सहयोगियों के साथ अजित, चेहरे पर मुस्कुराहट | 5 दुल्हन का कत्ल...खुद भी दी जान | 8 झूलन गोस्वामी को मिलेगा बड़ा सम्मान

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 22 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 25 नवम्बर, 2024

'अखिलेश यादव के पीडीए पर भारी पड़ा योगी का बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे–सेफ रहेंगे नारा'

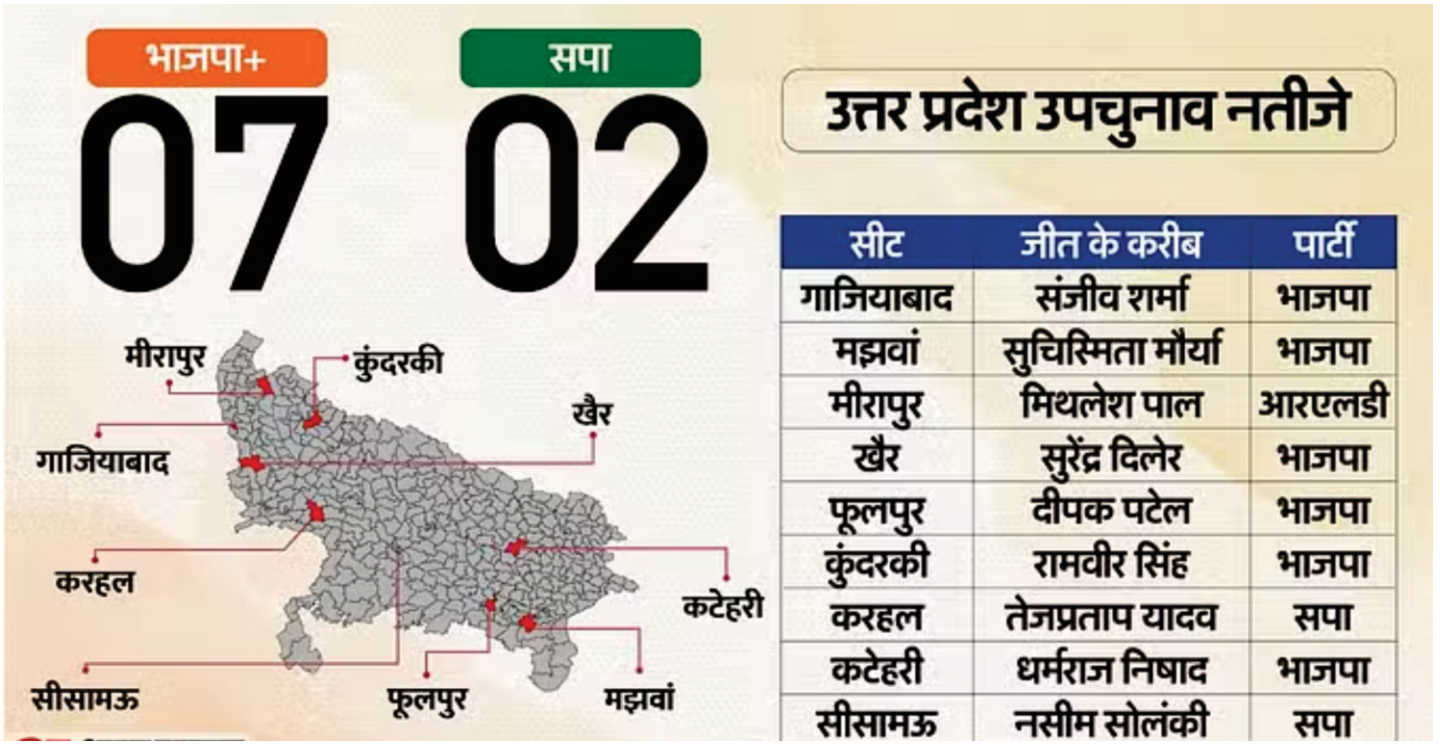

यूपी में बजा बीजेपी का डंका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतगणना जारी है। यूपी की कानपुर की सीसामऊ और करहल सीट पर सपा ने जीत दर्ज की है। भाजपा ने गाजियाबाद, खैर, फूलपुर, मीरापुर सीट पर जीत दर्ज कर ली है। भाजपा ने मुरादाबाद की कुंदरकी, कटेहरी और मझवां सीट पर बढ़त बना रखी है। नतीजों से जुड़ा हर अपडेट यहां देखें

खैर सीट पर भाजपा की जीत की हैट्रिक

अलीगढ़ की खैर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के सुरेंद्र दिलेर ने सपा की चारु केन को 38 हजार 393 वोटों से हरा दिया। यहां भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है।

उपचुनाव के नतीजों पर सीएम योगी की प्रतिक्रिया

उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव के नतीजों पर सीएम योगी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनावों में भाजपा–एनडीए की विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता–जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। ये जीत डबल इंजन सरकार की सुरक्षा–सुशासन एवं जन–कल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सुफल है। उ. प्र. के सुशासन और विकास को अपना मत देने वाले उत्तर प्रदेश के सम्मानित मतदाताओं का आभार एवं सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई। बटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे–सेफ रहेंगे।

करहल से जीते सपा प्रत्याशी तेज प्रताप यादव

अखिलेश यादव के गढ़ कहे जाने वाले मैनपुरी की करहल सीट पर भाजपा का दांव फेल हो गया। यहां सैफई परिवार के दामाद अनुजेश यादव को चुनाव मैदान में उतारा गया था। अनुजेश यादव को कुल 89503 वोट मिले हैं, जबकि तेज प्रताप यादव ने 1,04,207 वोट प्राप्त कर 14704 मतों के अंतर से उन्हें पीछे छोड़ दिया।

मीरापुर सीट पर भाजपा की जीत

मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा के उपचुनाव में रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल ने 30426 वोटों के अंतर से सपा की सुम्बुल राणा को हरा दिया है। मिथलेश को 83,852 वोट मिले, जबकि सुम्बुल 53426 वोट ही हासिल कर सकीं। मिथलेश पाल उपचुनाव जीतकर दूसरी बार विधानसभा पहुंची हैं। इससे पहले साल 2009 में भी वह मोरना से विधायक रही हैं। बसपा प्रत्याशी शाह नजर को 3181 वोट मिले और उनकी जमानत जब्त हो गई। आसपा के जाहिद हुसैन को 22400 वोट मिले। चौंकाने वाली बात यह रही कि एआईएमआईएम के प्रत्याशी अरशद राना को 18,867 वोट मिले। सपा की हार की मुख्य वजह ओवैसी फैक्टर बन गया।

मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर हुए उपचुनाव में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव निष्पक्ष और ढंग से होता, तो समाजवादी पार्टी बड़े अंतर से जीत हासिल करती। उन्होंने चुनाव के दौरान पुलिस–प्रशासन पर दबाव बनाने, राशन डीलरों और ग्राम प्रधानों को प्रभावित करने का आरोप लगाया। सांसद ने कहा कि चुनाव से दो दिन पहले से ही माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया गया। कई स्थानों पर विशेष पर्चियों के आधार पर वोटिंग की अनुमति दी गई, जबकि अन्य लोगों को वोट डालने से रोका गया। उन्होंने इसे संविधान के लोकतंत्र की हत्या करार दिया।

भाजपा ने खैर सीट पर लगाई जीत की हैट्रिक

अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भाजपा के सुरेंद्र दिलेर ने जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी ने सपा की चारु केन को 38 हजार 251 वोटों से हरा दिया। यहां भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। जीत की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

यूपी उपचुनाव–बंटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं का नारा चला

योगी की आक्रामक छवि से फायदा, ऐसी रही रणनीति

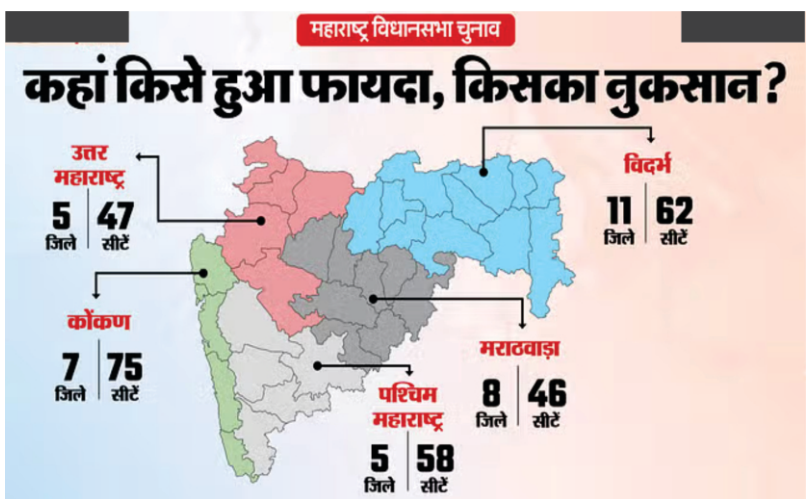

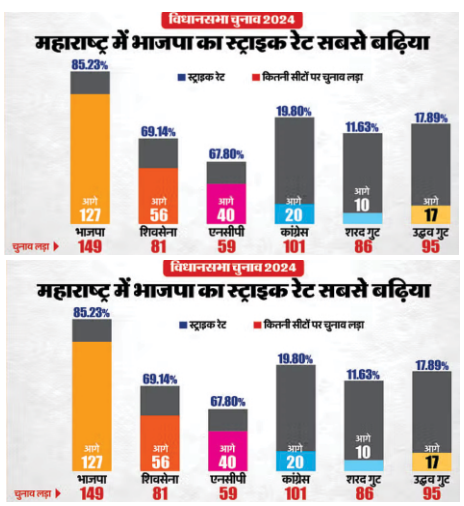

लखनऊ। यूपी की नौ सीटों में हुए उपचुनाव के परिणाम करीब–करीब साफ हो गए हैं। भाजपा सहयोगी दलों के साथ सात सीटों पर निर्णायक बढ़त पर है। चुनाव परिणाम इस बात का साफ इशारा कर रहे हैं सीएम योगी आदित्यनाथ की आक्रामक छवि, धार्मिक एकजुटता का उनका एजेंडा और जातियों में न बंटने वाली उनकी अपील काम कर गई। वोटरों ने बंटेंगे तो कटेंगे नारे पर अपनी मुहर लगाई। लोकसभा चुनावों के उलट इन चुनावों में भाजपा से छिटका ओबीसी और दलित वर्ग भी उसके साथ आया है। परिणाम बता रहे हैं कि दलितों ने सपा को उस तरह से वोट नहीं किया जैसे उसने लोकसभा के चुनावों में वोट किया था। कांग्रेस की इन चुनावों से दूरी भी सपा के लिए नुकसानदेह और भाजपा के लिए फायदेमंद रहीं।

कटेंगे तो बंटेंगे सीएम योगी आदित्यनाथ के द्वारा दिया गया ऐसा नारा है जो यूपी से फूटा और देखते ही देखते पूरे देश में फैल गया। पीएम मोदी द्वारा इसी को एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे कहकर बोला गया। यूपी के उपचुनावों के महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे यह बता रहे हैं कि इस नारे ने जमीन तक में काम किया है।

धार्मिक एकुटता रंग लाई

लोकसभा का चुनाव धर्म से उठकर पूरी तरह से जातियों के बीच का चुनाव हो गया था। राम मंदिर वाली फैजाबाद की सीट भाजपा का हारना इस बात का संकेत था कि लोगों ने धर्म के मुद्दे पर वोट नहीं किया। जातीय जनगणना और संविधान बचाने के मुद्दे धर्म पर भारी पड़े। लोकसभा चुनाव से उलट नौ सीटों के इस चुनाव में धार्मिक एकजुटता देखने को मिली। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन चुनावों की कमान खुद अपने हाथ में ली। उन्होंने हर छोटी–बड़ी रैली में धार्मिक एकजुटता की बात कही।

बंटेंगे तो कटेंगे विचारधारा के स्तर पर भाजपा की कोई नई लाइन नहीं है। भाजपा सदैव ही हिंदुओं के एकजुट रहने की बात कहती आई है लेकिन इन चुनावों में इस नारे ने एक अलग तरह का असर किया। चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि लोगों ने जाति के ऊपर धर्म को चुना।

राज्यों के बाहर प्रचार में भी यही मुद्दा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी ही नहीं महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में भी हिंदू एकजुटता को प्रमुखता से उठाया। महाराष्ट्र में यह नारा गहराई से असर करता दिखा। सीएम ने अपनी हर रैली में लोगों से जाति के आधार पर वोट न करने की अपील की। सीएम की इस अपील की लाइन पर भाजपा के दूसरे नेताओं ने भी अपना प्रचार किया।

अति आत्मविश्वास से इस बार दूर थी भाजपा

लोकसभा से उलट भाजपा इस बार अति आत्मविश्वास के मूड में नहीं थी। उसने सोशल इंजीनियरिंग के अनुसार उम्मीदवारों को टिकट दिए। एक–एक सीट के अनुसार रणनीति बनाई। पार्टी के कार्यकर्ता सुस्त न हों इसके लिए लगातार बैठकों का दौर जारी रहा। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने भी पक्ष में जनमत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

जाति जनगणना और संविधान का मुद्दा नदारत

इन चुनावों में यूपी में जाति जनगणना और संविधान का मुद्दा गायब रहा। कांग्रेस के इन चुनावों में दूरी बनाने का भी प्रदेश में इसका असर रहा। संविधान और जातीय जनगणना को प्रमुखता से उठाने वाले राहुल गांधी यूपी से पूरी तरह से गायब रहे। सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन न होने के बाद से कांग्रेस ने राज्य से दूरी बनाई। बड़े नेताओं के साथ कांग्रेस के स्थानीय नेता भी चुनाव प्रचार में सपा के साथ नहीं दिखे।

कुंदरकी में 32 सालों बाद जीती भाजपा

मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर भाजपा ने एतिहासिक बढ़त बनाई। इस सीट पर 1992 के बाद से भाजपा ने जीत दर्ज नहीं की थी। जातीय और सामजिक आधार पर समीकरण भाजपा के पक्ष में नहीं थे। कुंदरकी के परिणाम बताते हैं कि मुस्लिमों ने भी भाजपा के प्रत्याशी को वोट दिए। मुस्लिम बाहुल्य सीट पर सपा की हार ने सपा के पारंपरिक वोट बैक पर प्रश्न चिहन खड़ा कर दिया।

सम्पादकीय

दिल्ली प्रदूषण भारत की फजीहत

पिछले कई वर्षों से दिल्ली एवं एनआरसी में हर साल की सर्दियों में होने वाला स्मॉग (धुंध व धुंआ) लोगों के लिये अनेक तरह की समस्याएं लेकर आता है। इसके कारण दृश्यता इतनी कम हो जाती है कि कुछ ही मीटर की दूरी तक भी दिखाई देना बन्द हो जाता है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली एवं एनआरसी में हर साल की सर्दियों में होने वाला स्मॉग (धुंध व धुंआ) लोगों के लिये अनेक तरह की समस्याएं लेकर आता है। इसके कारण दृश्यता इतनी कम हो जाती है कि कुछ ही मीटर की दूरी तक भी दिखाई देना बन्द हो जाता है। राष्ट्रीय महामार्ग पर अनेक हादसे होते हैं, ट्रेनें व जहाजों की उड़ाने या तो रद्द होती हैं या फिर विलम्ब से उनका परिचालन होता है। स्कूलों में अक्सर छुट्टियां दे दी जाती हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर बहुत ही गम्भीर परिणाम पड़ते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की शिकायतें मिलती हैं। मौसम के ठंडा होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में पराली जलाने के कारण गाढ़े धुंए की मोटी परत पूरे इलाके पर छा जाती है।

विभिन्न तरह की परेशानियों और समस्याओं को लेकर आने वाले प्रदूषण का असरकारक तोड़ अब तक न दिल्ली सरकार ढूंढ़ पाई है और न ही केन्द्र सरकार। पराली जलाने के आरोप में हरियाणा, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के कुछ किसानों के खिलाफ मामले दर्ज करने के अलावा अब तक ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी है। अब यह मामला अजरबैजान की राजधानी बाकू में जलवायु परिवर्तन पर चल रहे वैश्विक सम्मेलन सीओपी 29 में गूंज गया है जिसमें इस पर प्रदीर्घ मंथन तो हुआ ही, भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेइज्जती भी हो गयी।

स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 294 पहुंच गया जो श्गम्भीर से अधिकश माना जाता है। कुछ इलाकों में यह 500 के ऊपर चला गया। पार्टिकूलेट पॉल्यूशन 1000 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से भी ज्यादा रहा। यह प्रदूषण ब्लैक कार्बन, ओजोन, जीवाश्म ईंधन और पराली के जलाने से होता है जो स्वास्थ्य के लिये बेहद खतरनाक है। इसमें सांस लेना मानों कई दर्जन सिगरेटें पीना है। इसका प्रतिकूल असर लाखों लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञ इस दिशा में तत्काल और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की जरूरत बतला रहे हैं। पिछले कुछ साल से ठंड के मौसम में इस प्रकार का स्मॉग इस पूरे क्षेत्र के वायुमंडल को चपेट में लेता है और इस पर हाय–तौबा मचती है। एक बार यह मौसम खत्म होने तथा स्मॉग साफ हो जाने के बाद लोग इसे भूल जाते हैं और सरकारें भी। क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने स्थिति की भयावहता पर तो प्रकाश डाला ही है, उन्होंने तंज कसा कि श्हम वैश्विक मुद्दों पर तो बात करते हैं लेकिन लाखों लोगों के स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।श सम्भवतरू उनका इशारा बाकू में भारत के प्रतिनिधित्व एवं वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों की ओर उसकी चिंताओं की ओर था, जबकि भारत की राजधानी में लाखों लोगों के स्वास्थ्य को गम्भीर खतरा है। दमा, फेफड़े में संक्रमण, एलर्जी आदि से पीड़ित लोगों के लिये यह मरण काल है।

दिल्ली–एनसीआर के इस मामले की अनुगूंज सीओपी 29 में जिस तरीके से सुनाई दी वह भारत के लिये पर्याप्त अपमानजनक थी। बहुत सी ऐसी बातें कही गयीं जो कई देशों के साथ सीधे भारत की ओर इशारा करती हुई उसे चोट पहुंचाने वाली रहीं। ग्लोबल क्लाइमेट एंड हेल्थ एलायंस के उपाध्यक्ष कर्टनी हार्वर्ड ने कनाडा के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि श्पिछले वर्ष वहां के जंगलों में लगी आग ने 70 प्रतिशत आबादी के जीवन को खतरे में डाल दिया था और उस त्रासदी से निपटने में उस देश को निपटने में वित्तीय समस्या आई थी।श उनका कहना था कि श्जब एक समृद्ध देश को इतनी परेशानी हो सकती है तो गरीब देशों के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिये गरीब देशों को वित्तीय मदद की जरूरत है।श पर्यावरणविद भावरीन कंधारी का कहना है कि श्सीओपी 29 को अपने दूसरे हफ्ते में शहरी जलवायु की ओर ध्यान देना होगा।श उन्होंने इस स्थिति को श्सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालश बतलाया।

दिल्ली–एनसीआर के वायु प्रदूषण पर सीओपी–29 में मुद्दा गरीब देशों के हवाले से उठा, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कई दावे हवा में उड़ गये। पहला यह कि मोदी भारत को एक बड़ी आर्थिक ताकत बतलाकर खुद की पीठ ठोंकते रहे हैं। साफ है कि अगुवा देश अब भी भारत को गरीब देशों की पंक्ति में ही खड़ा करते हैं। दूसरे, पीएम यह भी बताते रहे हैं कि भारत ने ग्रीन हाउस गैसों का स्तर देश में घटाया है। ऐसा वे कार्बन उत्सर्जन को भी शामिल करते हुए कहते रहे हैं। इतना ही नहीं, देश के भीतर व बाहर वे भारतीयों के जीवन स्तर में बढ़ोतरी का भी दावा करते हैं। चूंकि भारत में तो मोदी के पास एक प्रचार तंत्र है जिसमें उनकी कही बात को कोई काटने वाला नहीं होता, लेकिन ऐसे समिट में किसी प्रकार के राजनीतिक दबावों में या पक्षपातपूर्ण तरीकों से चर्चाएं नहीं होती। सम्भव भी नहीं है। यह जमावड़ा जलवायु विशेषज्ञों का होता है जो वैज्ञानिक आधार पर अपने आकलन एवं विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। बेहतर होगा कि केन्द्र सरकार पर्यावरण संरक्षण करने तथा देशवासियों को ऐसे जानलेवा प्रदूषण से बचाने के स्थायी प्रबन्ध करे। एक बड़ी आबादी को ऐसी खतरनाक स्थिति में नहीं झोंका जा सकता। हर साल बढ़ रहे प्रदूषण की मूकदर्शक बनकर सरकार दिल्ली–एनसीआर के निवासियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

जीवन से जुड़ी आजीविका

अगली बार जब खानाबदोश चरवाहों को अपने शहरों की सड़कों पर भेड़ों के साथ देखें, तो इस बारे में सोचें। शायद वे बीते जमाने के लोग हैं जो जल्द ही गायब हो जाएंगे, लेकिन कौन कह सकता है कि हमारे आईटी या डिजिटल मीडिया या कॉल सेंटर की नौकरियों के साथ भी ऐसा ही नहीं होगा? शायद अब से एक पीढ़ी के आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस वाले रोबोट, हममें से कुछ को कंप्यूटर स्क्रीन पर घूरते हुए देखकर मुस्कुराएंगे कि हम कैसे निठल्ले पोंगा–पंडित हैं। हम इतनी बेचैनी से इंतजार क्यों करते हैं कि कब दिन का काम खत्म हो या कब हफ्तेभर के काम के बाद दो दिन की छुट्टी मिले?

क्या काम की परिभाषा में बदलाव किया जा सकता है ताकि हम काम में आनंद और खुशी को भी जोड़ सकें? आर्थिक विकास ने आजीविकाओं को श्निर्जीविकाएंश बना दिया है। यह विकास सदियों से बने काम के तरीकों को मिटा रहा है। हमारा जीने का तरीका ऐसा था, जिसमें काम और फुर्सत के बीच कोई स्पष्ट विभाजन नहीं थाय अब उनकी जगह श्असेंबली लाइनश की नीरस नौकरियां हथियाने लगी हैं और हम काम के हफ्ते के बाद दो दिन की मुक्ति और दूसरी छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

हमें बताया जाता है कि प्राथमिक क्षेत्र के कामों से मैन्युफेक्चरिंग और सेवाओं की ओर बढ़ना ही अर्थिक प्रगति है। इसलिए वह आजीविका जो वस्तुतरू हम सभी को जीवित रखती है – खेती, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य–पालन और संबंधित कारीगरी – को हम पिछड़े काम मानते हैं। भारत में, इस सोच के चलते 70 से 80 करोड़ लोगों, यानि देश की दो–तिहाई आबादी – को हाशिए पर खदेड़ दिया गया है। नतीजे में लाखों किसानों की आत्महत्या या कथित विकास परियोजनाओं के कारण 6 करोड़ लोगों का अपने खेतों, जंगलों और तटों से विस्थापन हाथ लगा है। ऐसे कई लोग हैं, जो प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं, उन्हें इन संसाधनों से महरूम किया जाता है।

हमारा ध्यान बमुश्किल ही इस बात पर जाता है कि ये लोग गरीब होते जा रहे हैं। उनके जमीन और पानी उद्योगों, सड़कों, खनन और शहरों के लिए छीने जा रहे हैं। विकास ने गरीबी के नए–नए रूपों को जन्म दिया है। मान लें कि यह तो करना ही पड़ेगा और करना अच्छा भी है, लेकिन हम इनकी जगह क्या ले आये हैं? गरीबों के लिए या तो कोई रोजगार नहीं हैं और हैं भी तो निर्माण स्थलों, खदानों, उद्योगों, ढाबों और ऐसी जगहों पर जहां अनिश्चित, शोषणकारी और असुरक्षित रोजगार हैं, जिन्हें शायद ही कम मशक्कत का काम कहा जा सकता है। विडंबना यह है कि 93प्रतिशत भारतीय रोजगार अनौपचारिक क्षेत्र में हैं और इनका शोषण लगातार बढ़ता जा रहा है। काम के बदले कमाई के मामले में मध्यम वर्ग और अमीरों की स्थिति बहुत अच्छी है। एक अध्ययन से पता चलता है कि एक फीसदी भारतीयों के पास देश की कुल संपत्ति का 50 फीसदी से ज़्यादा हिस्सा है, लेकिन ऐसे काम की गुणवत्ता क्या है? आईटी उद्योग जैसे आधुनिक क्षेत्रों में काम करने वाले ज़्यादातर लोग दुनिया भर में फैली एक विशाल असेंबली लाइन के यांत्रिक पुर्जे हैं। कॉल सेंटरों में अलस्सुबह से देर रात तक, कंप्यूटर टर्मिनल पर झुके हुए रटे–रटाए जवाब देते रहते हैं या हर पल भूखे 24–7 न्यूज चौनलों को न्यूज देने के लिए जी–तोड़ मेहनत करते हैं या शेयर बाजार के आंकड़ों को घूरते रहते हैं – कौन ईमानदारी से कह सकता है कि ये निर्जीविकाएं नहीं हैं – जो हमारी स्वतंत्रता और जन्मजात रचनात्मकता को दबाती हैं? अगर ऐसा नहीं है, तो हम दिन का काम खत्म होने या हफ्ते के अंत में छुट्टियों का इतनी बेताबी से इंतजार क्यों करते हैं? हमें अपने को खुश रखने के लिए श्रीटेल थेरेपियों के छिछले तरीके क्यों आजमाने पड़ते हैं? ऐसा नहीं है कि सभी आधुनिक रोजगार निर्जीविकाएं हैं, या सभी पारंपरिक आजीविकाएं बढ़िया थीं। पहले भी असमानता और शोषण, खासकर लिंग व जाति को लेकर थे, यहां तक कि उबाऊ मशक्कत भी थी, लेकिन उस सूखे के साथ, सार्थक आजीविकाओं के रूप में जो कुछ श्हरा–भरा था, उसे भी जला देना सही नहीं होगा।

ऐसे कई उदाहरण हैं, जो कभी गरीब रहे किसानों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद करते हैं, जैसे कि डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी जिसमें दलित महिला किसान अन्न स्वराज की तरफ बढने के साथ–साथ फिल्म निर्माता और रेडियो स्टेशन मैनेजर तक बन गई हैंय या दस्तकार जिन्होंने सिद्ध किया है कि कारीगर आज भी खरा हैय उन्होंने हाथ से काम करने वाले तमाम कारीगरों को नई गरिमा दी है। इसी तरह आधुनिक क्षेत्र में भी गिने–चुने सार्थक रोजगार हैं – खेतों और जंगलों में काम करने वाला जीवविज्ञानी, जो प्रकृति में रहना पसंद करता है, संगीत शिक्षक जो उत्साहपूर्वक छात्रों की प्रतिभा को सामने लाता है, एक शेफ जो खाना पकाने के काम को प्रेम करता है और ऑर्गेनिक आहार की रसोई की साज–संभाल करता है।

मौजूदा प्रवाह के विरुद्ध जाने के लिए शिक्षा में बुनियादी बदलाव की जरूरत है। स्कूलों और कॉलेजों में हमारे दिमाग में यह ठूंस दिया जाता है कि बौद्धिक कार्य शारीरिक श्रम से बेहतर है। हमारे दिमाग को इस तरह मोड़ा जाता है कि इसमें हाथ, पैर और हृदय की क्षमता के विकास की गुंजाइश नहीं रहती। हमारे समक्ष ऐसे लोगों को रोल–मॉडल की तरह पेश किया जाता है जो प्रकृति पर हावी होकर दूसरों को नीचे गिराते हुए सफलता की सीढ़ियां चढ़े हैं।

हमारी आंखों पर पड़े परदे को हटाने के लिये धन्यवाद –माननीय

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ अयोध्या विवाद पर फैसला सुनाने वाली पांच सदस्यीय पीठ में थे

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ अयोध्या विवाद पर फैसला सुनाने वाली पांच सदस्यीय पीठ में थे। उन्होंने जो फैसला लिखा, उसमें विवादित क्षेत्र, जहां बाबरी मस्जिद थी, को राम मंदिर निर्माण के लिए हिंदुओं को सौंप दिया गया। यह फैसला जमीनी सबूतों और तथ्यों के बजाय धार्मिक भावनाओं और आस्था पर अधिक आधारित था। इसके अलावा, इसने यह स्वीकार करने के बावजूद ऐसा फैसला दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ पिछले दो दशकों में जितने मुख्य न्यायाधीश हुए उसमें सबसे अलग न केवल इसलिए रहे कि उनका दो साल का कार्यकाल अन्य सभी की तुलना में सबसे लम्बा था बल्कि उनके उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश और फिर मुख्य न्यायाधीश रहते हुए अनेक ऐसे निर्णय हुए जिन्होंने देश के सामाजिक और राजनीतिक वातावरण को सर्वाधिक प्रभावित किया। स्वाभाविक रूप से उन निर्णयों पर आलोचनात्मक मूल्यांकन करते हुए बड़ी संख्या में लोगों ने अपने विचार भी रखे। यही कारण है कि अपने विदाई समारोह में उन्हें कहना पड़ा कि अब मेरे सेवानिवृत होने के बाद सबसे अधिक दुरूख मुझे ट्रोल करने वालों को होगा। शायद यह कहकर वे उन सभी आलोचनाओं और टिप्पणियों के वजन को हल्का करने की कोशिश कर रहे थे, जिनका द्वार स्वयं उन्होंने खोला था।

संविधान और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए नियुक्त न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में जिस राजनीतिक सामाजिक पृष्ठभूमि में उन्होंने अपनी न्यायिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, उसे ध्यान में रखे बिना उनकी भूमिका का सही आकलन नहीं हो सकता। उनके उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश रहते हुए कार्यकाल वह समय था जब मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में हिंदुत्व के एजेंडे को पूरा करने के लिए अपने प्रयासों को आक्रामक ढंग से आगे बढ़ा रही थी, जो संविधान और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन था। संवैधानिक मुद्दों और बहुसंख्यकवादी हमले पर मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के फैसलों को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ अयोध्या विवाद पर फैसला सुनाने वाली पांच सदस्यीय पीठ में थे। उन्होंने जो फैसला लिखा, उसमें विवादित क्षेत्र, जहां बाबरी मस्जिद थी, को राम मंदिर निर्माण के लिए हिंदुओं को सौंप दिया गया। यह फैसला जमीनी सबूतों और तथ्यों के बजाय धार्मिक भावनाओं और आस्था पर अधिक आधारित था। इसके अलावा, इसने यह स्वीकार करने के बावजूद ऐसा फैसला दिया कि बाबरी मस्जिद का विध्वंस एक असंवैधानिक और जघन्य कृत्य था। यह न्यायिक फैसला ही है जिसने आरएसएस–विश्व हिंदू परिषद के दावे को वैधता प्रदान की और भाजपा के मुख्य एजेंडे में से एक को पूरा किया।

सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ द्वारा दिया गया दूसरा प्रमुख निर्णय अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू–कश्मीर राज्य को समाप्त करने पर है। इस निर्णय ने अनुच्छेद 370 में संशोधन करने के लिए एकतरफा कार्यकारी शक्ति का प्रयोग किया, क्योंकि जम्मू–कश्मीर की संविधान सभा अब अस्तित्व में नहीं थी। संविधान के अनुच्छेद 3 का उल्लंघन करके जम्मू–कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने के मामले में, निर्णय ने इस मुद्दे को टाल दिया और केंद्र सरकार के इस आश्वासन को स्वीकार कर लिया कि भविष्य में किसी दिन जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। इस निर्णय का एकमात्र अर्थ यह लगाया जा सकता है कि यह किसी तरह अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के लिए कार्यपालिका की मनमानी कार्रवाई का समर्थन करना ही है। यह ध्यान रखना उचित होगा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भाजपा–आरएसएस के एजेंडे में एक और मुख्य मुद्दा था।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के कार्यकाल के अन्य पहलू भी हैं, जो मास्टर ऑफ रोस्टरश कर्तव्यों और कॉलेजियम प्रणाली के कामकाज से संबंधित हैं। यहां भी, एक स्पष्ट पैटर्न है। मामलों का आवंटन, जो नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित है, जैसे कि भीमा कोरेगांव मामले और उत्तर–पूर्वी दिल्ली सांप्रदायिक दंगों में लंबे समय तक जेल में रहने वाले लोग, ऐसे मामलों को एक विशिष्ट पीठ को संदर्भित करने की जानबूझ कर की गई योजना को दर्शाते हैं, जहां संबंधित न्यायाधीश नागरिक स्वतंत्रता और जमानत देने के मामलों पर रूढ़िवादी दृष्टिकोण रखते हैं।

अपने कार्यकाल के अंतिम समय में, चंद्रचूड़ ने यह स्वीकार करके कई लोगों को चौंका दिया कि उन्होंने अयोध्या मामले के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी। यहां निर्णय के लेखक ने स्वीकार किया है कि यह निर्णय संविधान और कानून पर आधारित नहीं था, बल्कि ईश्वरीय हस्तक्षेप पर आधारित था। मोदी के एक दशक के शासन में उच्च न्यायपालिका और कानूनी बिरादरी के बीच हिंदुत्व की भावना का प्रसार देखा गया है। हाल के दिनों में इसकी झलक खुलकर सामने आई है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने अपनी सेवानिवृत्ति के दिन आरएसएस के साथ अपने आजीवन संबंध और संगठन के प्रति अपने ऋ ण की घोषणा की। उच्च न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने लोकसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले इस्तीफा दे दिया और कुछ ही दिनों में भाजपा के उम्मीदवार बन गए और लोकसभा के लिए चुने गए। उपरोक्त दोनों उदाहरणों से दिमाग में यह स्वाभाविक रूप से कौंधता है कि जब वे न्याय की कुर्सी पर बैठते होंगे तो क्या निर्णय देते समय स्वयं को अपनी व्यक्तिगत आस्था और निष्ठा से मुक्त रख पाते होंगे?

कुछ जजों की अंतर्दृष्टि किस तरह हिंदुत्व से प्रभावित है, यह इस साल जुलाई में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ द्वारा की गई टिप्पणी में देखा जा सकता है। केंद्र द्वारा आरएसएस पर प्रतिबंध हटाए जाने के बाद, एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी की याचिका का निपटारा करते हुए न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि आरएसएस जैसे श्प्रतिष्ठित संगठनश को श्गलत तरीके से देश में प्रतिबंधित संगठनों की सूची में डाल दिया गया हैश। केंद्र सरकार की इस गलती के कारण, पांच दशकों में श्कई केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की देश की सेवा करने की आकांक्षाएं इस प्रतिबंध के कारण कम हो गईंश। इसलिए, इन विद्वान न्यायाधीशों के अनुसार, देश की सेवा करने के लिए व्यक्ति को आरएसएस से जुड़ना ही होगा। कारवां पत्रिका के अक्टूबर 2024 के अंक में प्रकाशित एक लेख के अनुसार आरएसएस का कानूनी मोर्चा उच्च न्यायपालिका में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। वकीलों का संघ अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद आरएसएस के वकीलों का मोर्चा है और इसी संगठन के लोगों से ही महाधिवक्ता और न्यायाधीश जैसे अधिक से अधिक कानूनी अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। लेख में बताया गया है कि 33 मौजूदा न्यायाधीशों में से कम से कम नौ ने परिषद के एक या अधिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया है। विचारों और अपनी मान्यताओं के अनुसार वकीलों का किसी संगठन को बनाना या उससे जुड़ना समझने आने वाली बात है पर जब उच्च न्यायालयों के तक के न्यायाधीश संविधान से परे किसी विशेष विचार या निष्ठा से जुड़ते हैं तो उनके निर्णयों पर उसकी छाप स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है, जो ऊपर उल्लेखित मध्यप्रदेश न्यायालय के एक निर्णय की टिप्पणी से स्पष्ट है।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की सेवानिवृति के पूर्व स्वीकोरोक्तियां तथा उनके कार्यकाल का आकलन लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये चेतावनी है कि किस तरह उच्चतम स्तर पर न्यायिक घोषणाओं में संवैधानिक प्रावधानों, विधि और न्याय की स्थापित परंपराओं से हटकर बहुसंख्यकवादी भावनाएं प्रतिबिम्बित हो रही हैं। लोकतंत्र के वर्तमान भारतीय स्वरूप में विश्वास करने वालों को मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ जी को इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने न केवल न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी हटाई है, हमारी आंखों पर पड़ा परदा भी हटाया है और कुल मिलाकर जाते जाते यह स्पष्ट कर दिया है कि मोदी सरकार ने उच्च न्यायपालिका में घुसपैठ करने में आरएसएस की कितनी मदद की है।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनावों में BJP-NDA की विजय PM मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है. उत्तर प्रदेश के सम्मानित मतदाताओं का आभार एवं सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई!
बटेंगे तो कटेंगे. एक रहेंगे-सेफ रहेंगे.

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

'मेरी शक्ति' चुनाव के वोटों की गिनती के बीच हेमंत सोरेन ने शेयर की तस्वीर

Ajaz Khan के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स 56 लाख, वोट 150 भी नहीं मिले

चाचा पर भतीजा भारी! सहयोगियों के साथ अजित, चेहरे पर मुस्कुराहट

– मुम्बई

–लखनऊ

हालात भयावह

वायु प्रदूषण से यूपी और दिल्ली के लोगों की पांच साल घट गई जिंदगी...

लखनऊ। वायु प्रदूषण से यूपी और दिल्ली के लोगों की पांच साल जिंदगी घट गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों पर एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। यूपी और दिल्ली की हवा में घुले जहर ने सांसों पर संकट खड़ा कर दिया है। एक अध्ययन के मुताबिक, प्रदूषित हवा से यूपी–दिल्ली के लोगों की औसत उम्र लगभग पांच वर्ष घटी है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण, वाहन व हवा में अन्य तरीकों से जहर घोल रहे स्रोतों का अध्ययन कर एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों पर आधारित रिपोर्ट तैयार की है। इसमें कहा गया है कि यूपी में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) राष्ट्रीय मानक 40 के बराबर आ जाए तो लोगों की उम्र 2.5 वर्ष बढ़ जाएगी। अगर पीएम स्तर डब्ल्यूएचओ के मानक पर आए तो उम्र छह वर्ष बढ़ेगी।

दिल्ली में उम्र 4.3 वर्ष और एनसीआर में उम्र 8.9 वर्ष बढ़ जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 55 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाला भारत का उत्तर क्षेत्र सबसे प्रदूषित है। वायु प्रदूषण से औसत भारतीय की उम्र 3.6 वर्ष घट रही है। जबकि, तंबाकू से 1.5 वर्ष और अशुद्ध पानी व गंदगी से 8.4 महीने का नुकसान हो रहा है। सबसे साफ हवा लद्दाख, अंडमान निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, केरल, लक्षद्वीप की है।

अगर घटे प्रदूषण तो इस तरह बढ़ेगी उम्र

राज्य	डब्लूएचओ मानक तक प्रदूषण घटने पर	राष्ट्रीय मानक तक प्रदूषण घटने पर
दिल्ली एनसीआर	7.8 वर्ष	4.3 वर्ष
पंजाब	4.6 वर्ष	1.1 वर्ष
हरियाणा	5.2 वर्ष	1.8 वर्ष
उत्तर प्रदेश	5.9 वर्ष	2.5 वर्ष
पश्चिम बंगाल	3.8 वर्ष	0.3 वर्ष
बिहार	5.5 वर्ष	2.1 वर्ष

(विश्व स्वास्थ्य संगठन का पीएम 2.5 मानक 5 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर हवा में)
(राष्ट्रीय पीएम 2.5 मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर हवा में।

पीएम 2.5 बेहद घातक

आंखों से दिखाई देने वाली धूल नाक में जाकर म्यूकस में मिल जाती है, जिसे धोकर साफ किया जा सकता है। पीएम 2.5 का आकार इतना छोटा होता है कि इसे देखा नहीं जा सकता। ये कण फेफड़ों के लिए घातक साबित होते हैं। पीएम 2.5 के कण इतना सूक्ष्म होते हैं कि बाल की मोटाई भी उनसे 40 गुना ज्यादा होती है। रेत का एक कण भी पीएम 2.5 के कण से 35 गुना बढ़ा होता है। 50 तक एक्यूआई अच्छा माना जाता है। 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच ठीक, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर होता है।

उपचुनाव में भी भितरघात ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन...

लखनऊ। उपचुनाव में भी भितरघात ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। तीन सीटों पर अपनों ने ही मुखालफत की है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों से सबसे ज्यादा भितरघात की शिकायतें आईं। लोकसभा चुनाव में हुए भितरघात से मात खाई भाजपा को नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा है। मतदान के बाद भितरघात को लेकर मिले इनपुट ने भाजपा के शीर्ष नेताओं की चिंता बढ़ा दी है।

अब पार्टी स्तर पर इस बात का आकलन किया जा रहा है कि इससे कितना नुकसान हुआ है। भितरघातियों को चिह्नित भी किया गया है। कुंदरकी, कटेहरी और फूलपुर में भितरघात की सबसे ज्यादा शिकायतें मिली हैं। हालांकि, भाजपा को बेहतर परिणाम की उम्मीद है। दरअसल, सभी सीटों पर टिकट को लेकर कई पूर्व सांसदों–विधायकों व पुराने कार्यकर्ताओं ने दावा किया था, लेकिन पार्टी ने टिकट देने में जल्दबाजी न करते हुए सीटवार जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखकर प्रत्याशियों की घोषणा की थी। लिहाजा कई सीटों पर टिकट से वंचित लोगों की ओर से भितरघात किए जाने की बात सामने आई है।

मझवां, कटेहरी, कुंदरकी और सीसामऊ सीट पर तो प्रत्याशी घोषित होने के बाद से ही इसकी शिकायतें मिल रही थीं। इसे थामने के लिए पार्टी के नेताओं ने भरसक प्रयास भी किए, फिर भी कई सीटों पर अपनों की ही मुखालफत सामने आई है। सूत्रों का कहना है कि सबसे अधिक शिकायतें कटेहरी और कुंदरकी सीट पर सामने आई हैं। मझवां में पार्टी के अलावा भाजपा के सहयोगी दल के कार्यकर्ताओं की ओर से भी खेल बिगाड़ने की कोशिश के इनपुट मिले हैं। हालांकि, सहयोगी दलों के बड़े नेता लगातार इन सीटों पर प्रचार कर एनडीए प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते रहे। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं ने भितरघात किया।

लोकसभा चुनाव में भी हुआ था नुकसान

मनमाने तरीके से प्रत्याशियों के चयन पर लोकसभा चुनाव में भी भाजपा में भितरघात से भाजपा को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। सभी 80 सीटों का जीत का दावा करने वाली भाजपा मात्र 36 सीटें ही जीत पाई थी। चुनाव परिणाम को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में आपसी कलह भी सामने आई थी। सरकार और संगठन के बीच हार को लेकर रार भी हुई थी। ऐसी ही स्थिति अब उपचुनाव में भी देखने को मिली है। इसलिए माना जा रहा है कि अपेक्षा के मुताबिक, परिणाम नहीं आया तो फिर भाजपा के भीतर आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिल सकते हैं।

विवादित पोस्ट में जुमे पर ज्यादा से ज्यादा नमाजियों के जुटने का आह्वान, बढ़ी सतर्कता

मुरादाबाद। संभल में जामा मस्जिद में जुमे पर ज्यादा से ज्यादा नमाजियों के जुटने के आह्वान की विवादित पोस्ट के बाद सतर्कता बढ़ दी गई है। जामा मस्जिद के आसपास और शहर में जगह–जगह पुलिस फोर्स तैनात की है, डीएम और एसपी ने पैदल गश्त की। संभल में जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताने के दावे के बाद से पुलिस प्रशासन अलर्ट है।

बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर जुमे की नमाज पर जामा मस्जिद में ज्यादा से ज्यादा नामाजियों के पहुंचने के आह्वान की पोस्ट पर पुलिस प्रशासन और ज्यादा सतर्क हो गया है। मस्जिद के आसपास पुलिस, पीएसी और आरआरएफ की और ज्यादा तैनाती कर दी है। सथ ही मस्जिद जाने वाले दो रास्ते बांस–बल्ली लगाकर बंद कर दिए हैं। मंगलवार की शाम को न्यायालय के आदेश पर कोर्ट कमिश्रर सर्वे के लिए जामा मस्जिद पहुंचे थे। इसके बाद से मस्जिद के आसपास सतर्कता बढ़ा दी गई है। संभल और असमोली सर्किल के थानों की फोर्स की ड्यूटी लगा दी है। इसके अलावा एक कंपनी पीएसी और एक कंपनी आरआरएफ की तैनात की है।

मोहल्ला बरेली सराय निवासी बिलाल ने सोशल मीडिया पर जामा मस्जिद में होने वाली जुमे की नमाज में ज्यादा से ज्यादा लोगों से पहुंचने की अपील की। हालांकि बाद में यह पोस्ट हटा दी गई। जिसके बाद पुलिस प्रशासन और ज्यादा अलर्ट हो गया है। मस्जिद के आसपास पुलिस, पीएसी और आरआरएफ की तैनाती बढ़ाने के साथ ही सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मस्जिद को जाने वाले बाजार और मोहल्ला कोटपूर्वी के रास्ते को बांस बल्ली लगाकर बंद कर दिया है। बुधवार को बैरिकेडिंग कर बंद किया गया था।

आज शहर में ड्रोन से निगरानी होगी

एक मुख्य रास्ता नमाजियों के लिए खुला है। वहां फोर्स की तैनाती है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि यह एहतियाती तौर पर सतर्कता बरती जा रही है। सोशल मीडिया पर पुलिस की निगरानी है। जुमा नमाज को लेकर सतर्कता बढ़ाई है। ड्रोन से निगरानी कराई जाएगी।

जामा मस्जिद के नजदीक लगे कैमरे दुरुस्त कराए गए

शहर में पुलिस की निगरानी है। सोशल मीडिया के साथ अपने सूत्रों को सक्रिय किया हुआ है। इसी क्रम में शहर के प्रमुख स्थानों पर लगे कैमरे दुरूस्त कराए गए हैं। नगर पालिका द्वारा लगाए गए कैमरे जगह–जगह खराब पड़े थे। जामा मस्जिद के नजदीक भी लगे कैमरों में दिक्कत थी। बृहस्पतिवार को जामा मस्जिद के नजदीक लगे कैमरे दुरूस्त कराए गए हैं।नगर पालिका के ईओ मणिभूषण तिवारी ने बताया कि कैमरे सही कराए गए हैं। जहां बचे हैं वहां भी सही कराए गए हैं।

करहल हत्याकांड– मरना नहीं चाहती थी वो...

जीने के लिए खूब किया संघर्ष, जख्मों ने बयां की हैवानियत की कहानी

आगरा। मैनपुरी के करहल में युवती की हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतका के शरीर के ऊपरी हिस्से में जख्मों के निशान आरोपी की हैवानियत की कहानी बयां करने वाले हैं।

मैनपुरी के करहल में युवती की हत्या के मामले में पोस्टमार्टम से बड़ा खुलासा हुआ है। मोहल्ला जाटवान की युवती मरना नहीं चाहती थी। उसने दम निकलने से पहले काफी देर तक जीने के लिए संघर्ष किया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट की माने तो हत्या गला घोंट कर की गई।

वहीं, बृहस्पतिवार को गमगीन माहौल में पुलिस मौजूदगी में मृतका के शव का अंतिम संस्कार किया गया। थाना क्षेत्र के मोहल्ला जाटवान की रहने वाली युवती का शव बुधवार की सुबह बोरे में बंद मिला था। उसकी दुष्कर्म करने के बाद हत्या की गई थी। मां और पिता का आरोप है कि बेटी कॉलोनी बनने के बाद भाजपा को वोट देना चाहती थी। प्रशांत यादव निवासी तपा की नगरिया इस बात से नाखुश था।

वह पुत्री को अपने साथ बाइक पर ले गया। पुत्री के साथ दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर दी। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी व साथी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बुधवार को पैनल से युवती के शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

जख्मों ने बयां की हैवानियत की कहानी

घटना को लेकर जहां युवती की गला दबाकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है।

वहीं, मृतका के शरीर के ऊपरी हिस्से में जख्मों के निशान आरोपी की हैवानियत की कहानी बयां करने वाले हैं।

निशान बताते हैं कि किस तरह से युवती ने मरने से पहले जीने के लिए संघर्ष किया होगा। लेकिन आरोपियों के आगे उसकी एक न चली। गला घोंटने के बाद बेरहमी से उसे मार डाला गया।

उधर, बृहस्पतिवार को सीओ संतोष कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी व पुलिसबल के साथ गांव में मौजूद रहे और अंतिम संस्कार कराया। घटना के बाद गांव में सन्नाटा छाया हुआ है। मृतका के घर से चीख पुकार सुनाई दे रही है। माता पिता का रो–रोकर बुरा हाल है।

शव लादकर ले जाने वाले बोलेरो किसकी

युवती की हत्या की गई और शव को बोरे में बंद करने के बाद काफी दूर फेंका गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शव को बोरे में डालने के बाद एक बोलेरो में डालकर नगला अंती तक ले जाया गया था। बोलेरो किसी झोलाछाप चिकित्सक की बताई जा रही है। हालांकि पुलिस अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक जानकारी नहीं दे रही है। लेकिन पुलिस भी वारदात में प्रयुक्त बोलेरो की तलाश में है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट की माने तो हत्या गला घोंट कर की गई। वहीं, बृहस्पतिवार को गमगीन माहौल में पुलिस मौजूदगी में मृतका के शव का अंतिम संस्कार किया गया। थाना क्षेत्र के मोहल्ला जाटवान की रहने वाली युवती का शव बुधवार की सुबह बोरे में बंद मिला था। उसकी दुष्कर्म करने के बाद हत्या की गई थी। मां और पिता का आरोप है कि बेटी कश्वलोनी बनने के बाद भाजपा को वोट देना चाहती थी। प्रशांत यादव निवासी तपा की नगरिया इस बात से नाखुश था।

जिंदा जल गई बेड पर लेटी दिव्यांग किशोरी

सहारनपुर में बड़ा हादसा मकान में लगी भीषण आग

सहारनपुर। सहारनपुर जनपद में सुबह हुए एक दर्दनाक हादसे में एक दिव्यांग किशोरी की मौत हो गई। किशोरी की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना की सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट भी मौके पर पहुंचे हैं। सहारनपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बड़तला यादगार स्थित एक मकान में आग लगने से दिव्यांग किशोरी की जलकर मौत हो गई। अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मकान में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। घटना के बाद सिटी मजिस्ट्रेट भी पहुंचे।

नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बड़तला यादगार में अवनीश जैन का मकान है। बुधवार सुबह करीब सात बजे अवनीश अपनी पत्नी निधि जैन के साथ कंपनी बाग में घूमने गए थे। उसी दौरान उनके पास फोन आया कि मकान से धुआं उठ रहा है। देखते ही देखते धुआं आग में तब्दील हो गया। लोगों की भीड़ जमा हो गई। फायर बिग्रेड की गाड़ी बुलाई गई। बामुश्किल आग पर काबू पाया गया। जब कमरे के अंदर देखा तो आध्या(13) जल चुकी थी। दिव्यांग होने के चलते आध्या आग से नहीं बच सकी और जिंदा बेड पर जल गई। आध्या परिवार में छोटी थी। आध्या की मां निधि जैन दिगंबर जैन इंटर कॉलेज में शिक्षिका है। घटना का पता लगने पर सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार मृतका के घर पहुंचे।

मतदान के लिए निकले लोग –

थप्पड़ का बदला हत्या से लिया

छोटे भाई के सिर पर सवार था खून, चाकू से बड़े भाई फिर भाभी पर करने लगा वार

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में छोटे भाई द्वारा बड़े भाई की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की घटना से सभी हैरान हैं। घटना को लेकर लोग तरह – तरह की चर्चा कर रहे हैं। गाजीपुर जिले के सादात थाना क्षेत्र के हुसेपुर में हुई हत्या को लेकर पूरे गांव में सन्नाटा है। हर कोई इस बात को लेकर हैरान है कि आखिर बड़े भाई (मृतक) ने क्या कहकर थप्पड़ जड़ दिया जिसे लेकर उसके छोटे भाई के सिर पर खून सवार हो गया। वह घर में जाकर सीधे धारदार चाकू लाया और पिता समान बड़े भाई के सीने, पेट और पीठ पर घोंपने लगा, जिसे बचाने दौड़ी भाभी के पेट और पीठ में भी वार किया।

इस बात को लेकर हुआ था विवाद

हुसेपुर गांव में सुबह 8:20 बजे के बाद राजबली यादव और उनके छोटे भाई कैलाश यादव के बीच विवाद हो गया। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि मृतक के स्वर्गीय पिता नंदलाल यादव के नाम पर बिजली का कनेक्शन है। इसी कनेक्शन का बकाया बिल को लेकर कहासुनी हो गई। राजबली यादव ने कुछ कहते हुए आरोपी छोटे भाई कैलाश को एक थप्पड़ जड़ दिया, जिसके बाद वह तैस में आ गया और सीधे अपने घर में गया। बाहर चाकू लेकर निकला और सीधे बड़े भाई के सीने, पेट और पीठ पर कुल चार बार घोंप दिया। जिससे बचाने पत्नी चंद्रकला देवी दौड़ी। इधर, क्रोध में खून के प्यासे कैलाश ने उसपर भी चाकू से वार कर दिया। पुलिस के मुताबिक चंद्रकला के पेट और पीठ में चाकू के दो वार है।

आरोपी की पत्नी भी बच्चों के साथ फरार

वारदात के बाद हत्यारोपी मौके से फरार हो गया। वहीं, जेठ की हत्या और जेठानी की नाजुक हालत देख आरोपी की पत्नी भी अपने बच्चों को लेकर घर छोड़कर फरार हो गई है। मौके पर पर पहुंची पुलिस जांच और गिरफ्तारी के सिलसिले में आरोपी के ससुराल आजमगढ़ तक गई। लेकिन, वो वहां नहीं मिला।

कुछ दिन पहले भी हुआ था विवाद

ग्रामीण इस विवाद को सामान्य तौर पर होने वाले गांव में झगड़े की तरह ही देख रहे थे। वजह कुछ दिन पहले राजबली यादव (मृतक) पंपिंग सेट के पास ही के समीप शौचालय का गड्ढा खोदवा रहे थे। इसे लेकर भी दोनों भाइयों में विवाद हुआ था। ग्रामीणों ने बताया कि मामला फिर रफा–दफा हो गया। लोगों ने समझा वैसे ही अभी मामला शांत हो जाएगा, लेकिन बात बढ़ गई।

तीनों भाई थे अलग, लेकिन सामूहिक हो रहा था पंपिक सेट का संचालन

ग्रामीणों ने बताया कि हुसैनपुर मधुकर गांव निवासी नंदलाल यादव के तीन पुत्रों में सबसे बड़े चंद्रबली यादव, राजबली यादव और कैलाश यादव है। पिता नंदलाल यादव के निधन के बाद तीनों भाइयों के बीच तीन बीघा खेत का बंटवारा हो गया था। जबकि हत्यारोपी कैलाश यादव के दरवाजे के पास स्थित पंपिंग सेट का संचालन अभी तीनों भाई सामूहिक रूप से कर रहे थे।

कोचिंग छोड़ घर पहुंचे आयुष व पीयूष

राजबली यादव एलआईसी एजेंट थे। जबकि पत्नी चंद्रकला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। पुत्र पीयूष और आयुष सुबह कोचिंग थे, लेकिन उन्हें क्या पता था कि जब वह घर पहुंचेंगे तो अब कभी पिता से बात नहीं हो पाएगी। घटना की जानकारी होते ही कोचिंग छोड़ अस्पताल पहुंचे दोनों पुत्र पिता के शव और गंभीर रूप से घायल मां को देखकर दहाड़े मारकर रोने लगे।

दुल्हन का कत्ल...खुद भी दी जान

ननिहाल में पनपा प्यार, इश्क में अंधा हो गया था वो, प्रेमिका को दी थी ये धमकी

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ के मदाफरपुर बाजार में आशिक ने नवविवाहिता को गोली मार खुद को भी उड़ा लिया। चार दिन पहले ही युवती की शादी हुई थी। शादी के बाद युवती मायके आई थी। इसी दौरान युवक ने घटना को अंजाम दे दिया। प्रतापगढ़ के कोहड़ौर के मदाफरपुर बाजार में मंगलवार भोर में सिरफिरे आशिक ने नवविवाहिता को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली से उड़ा दिया। दोनों की मौत हो गई। चार दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी। सोमवार को ही ससुराल से मायके आई थी। कोहड़ौर के चंदुआडीह निवासी पप्पू वर्मा परिवार के साथ मदाफरपुर बाजार में किराए के मकान में रहते हैं। उनकी बड़ी बेटी ज्योति वर्मा (22) की शादी 15 नवंबर 2024 को अमेठी के पीपरपुर थाना इलाके के रेवणा निवासी जितेंद्र प्रताप पटेल के साथ हुई थी। भोर में करीब साढ़े पांच बजे ज्योति शौच के लिए घर के पीछे मोबाइल टावर की ओर निकली। कुछ देर बाद फायर की आवाज सुन पुलिसकर्मी बाजार के लोगों के साथ टावर की ओर पहुंचे। देखा तो ज्योति खून से लथपथ पड़ी थी। सिर, कमर व हाथ में गहरे घाव के निशान थे। करीब ही मोबाइल मिला। खबर मिलने पर परिजन भी पहुंच गए।

आनन–फानन उसे उपचार के लिए सीएचसी कोहड़ौर फिर मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जहां से प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही ज्योति ने दम तोड़ दिया। इधर, छानबीन के दौरान पुलिस को करीब 200 मीटर दूर नहर के पास खेत में एक युवक का शव मिला। उसकी पहचान उदयराज वर्मा (23) के रूप में हुई। दोनों के बीच कई वर्षों से नजदीकी रिश्ते थे। युवती की हत्या के बाद आरोपी ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की छानबीन की जा रही है।– डॉ. अनिल कुमार, एसपी

उदयराज ने शादी के लिए बनाया था दबाव

शादी के लिए उदयराज काफी समय से ज्योति पर दबाव बना रहा था। धमकाया था कि वह उससे शादी नहीं करेगी तो दूसरे की भी नहीं होने देगा। इस अंधेपन का दुष्परिणाम रहा कि ज्योति को मारा और खुदकुशी भी की। चंदुआडीह निवासी पप्पू वर्मा की पत्नी गीता ने मायके सिंगठी खालसा में ही ज्योति को जन्म दिया था। नाना हरिशंकर वर्मा और मामा मनीष संग परिवार के लोगों ने बचपन से उसकी परवरिश की थी। कक्षा आठ तक की शिक्षा गांव के करीब स्थित प्राइवेट स्कूल में ग्रहण की। उसके साथ ही उदयराज भी पढ़ता था। पढ़ाई के दौरान दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी, जो समय के साथ प्यार में बदल गई। ज्योति ने मदाफरपुर में इंटर तक की पढ़ाई की थी। लेकिन नाना के घर उसका आना–जाना लगा रहता था। ग्रामीणों के अनुसार दोनों का मिलना–जुलना होता रहा। इसकी जानकारी उनके परिवार के लोगों को भी थी। सूत्रों के अनुसार, उदयराज शादी के पहले ही घटना को अंजाम देने की फिराक में था। लेकिन पप्पू वर्मा जिस राजीव उपाध्याय के मकान में रहते हैं, उसी मकान में एक सिपाही भी रहते हैं। पकड़े जाने का डर था। उदयराज ने 11वीं तक पढ़ाई करने के बाद छोड़ दिया था। मौजूदा समय में वह वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग सीख रहा था। पिता श्रीराम वर्मा मजदूरी करते हैं। बड़ा भाई अभयराज ट्रक चलाता है। बहन सुधा की शादी अतरसंड में हुई है।

दोनों परिवारों के बीच रहती थी तनातनी

शादी के लिए उदयराज काफी समय से ज्योति पर दबाव बना रहा था। जिसे लेकर दोनों परिवारों के बीच तनातनी भी रहती थी। उदयराज की मां श्रीमती देवी के अनुसार, दोनों के बीच सात साल से नजदीकी थी। वे एक–दूसरे से बात करते थे। सोमवार को करीब 12 बजे वह घर से निकला था लेकिन लौटकर नहीं आया। ग्रामीणों के अनुसार, ज्योति की शादी होने की जानकारी पर भी उदयराज ने परिवार के लोगों को समझाने का प्रयास किया। ज्योति को धमकाया भी, जिसकी भनक दोनों परिवारों को भी हुई। लेकिन बात को नजरअंदाज कर दिया गया।

सदिया कर देतेन तौ आज इ दिन न देखित

का भैया इ सब कैसेन होइ गवा। हमार लाल तौ चला गवा। यह कहते हुए मृतक उदयराज की मां श्रीमती देवी की आंखों से आंसू बहने लगते। आगे बोली कि लड़कियां कय मामा मनीष धमकी देत रहेन कि उदयराज का सुधार लिया। नाही तो अंजाम ठीक न होइ। मान गवा होतेन सदिया कर देतेन ती आज इ दिन न देखित।

लोगों के सहयोग से बेटी के हाथ किए थे पीले

चंदुआडीह निवासी पप्पू वर्मा ट्रक चलाकर परिवार का गुजर बसर करता थे। करीब दस साल पहले दुर्घटना में घायल होने के बाद मनोरोगी हो गए। पत्नी गीता बाजार में मजदूरी कर परिवार का गुजर बसर करती हैं। बेटा दीपक भी घर के काम में हाथ बंटाता है। छोटी बहन घर पर ही रहती है। ज्योति की शादी में बाजार के लोगों ने पप्पू का सहयोग किया था।

करीब से मारी गोली, कपड़ों पर थे छीटें

पुलिस के अनुसार, उदयराज ने ज्योति को करीब से गोली मारी थी। गोली लगने के बाद ज्योति के सिर व खून के छींटें उदयराज के कपड़ों पर लगे थे। जांच के दौरान यह बात सामने आई।

हरिहर मंदिर होने के दावे पर अब संभल जामा मस्जिद का सर्वे

मुरादाबाद। संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए हिन्दू पक्ष कोर्ट पहुंच गया है। सिविल जज सीनियर डिवीजन ने कमीशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। अगली सुनवाई 29 को होगी। वहीं, विवादित परिसर का कमिश्नर ने सर्वे भी किया। संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए हिन्दू पक्ष कोर्ट पहुंच गया है। संभल के कैला देवी मंदिर के ऋषिराज गिरी समेत आठ वादकारियों ने सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह की चंदौसी स्थित कोर्ट में वाद दाखिल किया है। कोर्ट ने कमीशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। अगली सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तिथि निर्धारित की गई है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरिशंकर जैन की ओर से उनके पुत्र विष्णु शंकर जैन ने मंगलवार को कोर्ट में वाद दाखिल किया। उन्होंने विवादित परिसर के सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किए जाने और सर्वे की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराए जाने का अनुरोध किया। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए रमेश सिंह को सर्वे कमिश्नर नियुक्त किया। साथ ही सुनवाई की अगली तिथि 29 नवंबर निर्धारित की है।

कोर्ट के बाहर इस मामले पर चर्चा करते हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दावा किया कि संभल में हरिहर मंदिर था, जिसे तोड़कर जामा मस्जिद बना दी गई। इतिहास में ऐसा प्रमाण मिलता है कि 1529 में बाबर ने हरिहर मंदिर को एक मस्जिद में तब्दील कर दिया था। इसका प्रमाण बाबरनामा में भी मिलता है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के समक्ष भी यही बात कही गई है ताकि हरिहर मंदिर का सच सामने आ सके। वादी गण के स्थानीय अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से डीजीसी प्रिंस शर्मा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से विष्णु शर्मा एडवोकेट भी कोर्ट में उपस्थित रहे।

दावा पूरी तरह बेबुनियाद

जामा मस्जिद का सर्वे करने के लिए कोर्ट से अधिवक्ता आयुक्त आए थे। उन्होंने मस्जिद का सर्वे किया है। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी की है। दावा पूरी तरह बेबुनियाद है। चुनावी एजेंडा है और इससे ज्यादा कुछ नहीं।– जफर अली एडवोकेट, सदर, शाही जामा मस्जिद, संभल

अभी जारी रहेगा सर्वे

कोर्ट कमिश्नर ने बताया कि अभी प्राथमिक तौर पर सर्वे किया है। जिसमें पुलिस–प्रशासन का सहयोग रहा। अभी मस्जिद की पैमाइश नहीं की गई है। सर्वे की प्रक्रिया अभी जारी रहेगी। उसके बाद ही सर्वे रिपोर्ट न्यायालय में पेश होगी। इसके लिए हमारे पास एक सप्ताह का समय है।

ऐसी मान्यता है कि यही होगा कल्कि अवतार

विष्णु शंकर जैन कहा कि ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्णु का कल्कि अवतार इसी जगह पर होगा। इसलिए यह स्थान पूरे समाज के लिए महत्वपूर्ण पूजा स्थल है। सीनियर डिविजन संभल स्थित चंदौसी के सामने दीवानी दावा किया गया है। जिससे हरिहर मंदिर का सच कोर्ट के सामने आ सके।

दुल्हन से मोबाइल पर 11 सेकेंड हुई बात...फिर लापता हो गया दूल्हा

आगरा। बरात जाने से पांच दिन पहले दूल्हा लापता हो गया। बरात 22 नवंबर को जानी है। आखिरी बार दुल्हन से उसकी मोबाइल पर 11 सेकंड बात हुई, उसके बाद से उसका पता नहीं है। आगरा में बरात जाने से पांच दिन पहले छलेसर में दोस्त को शादी का कार्ड देने गया दूल्हा लापता हो गया। दूल्हा जिस स्कूटर से गया था, वह भी नहीं मिला है। मोबाइल स्विच ऑफ है। बुधवार को लगन टीके का कार्यक्रम होना था।

22 नवंबर को शादी थी। परिजन ने बेटे के साथ अनहोनी की आशंका जाहिर की है। मोती महल, जमुना ब्रिज निवासी अमित कुमार की हींग की मंडी में जूते के सामान की बिक्री की दुकान है। वह पिता रामगोपाल के साथ व्यापार संभालते हैं। पिता ने बताया कि अगस्त में बेटे का रिश्ता कलवारी, जगदीशपुरा की युवती से तय हुआ था। 6 अक्तूबर को मंगनी हुई। 20 नवंबर को लगन टीका का कार्यक्रम था। 22 नवंबर को बरात जानी है। उन्होंने बताया कि बेटा 17 नवंबर को स्कूटर से निकला था। छलेसर में दोस्त विकास को शादी का कार्ड देने के बाद वहां से अपराह्न 3:30 बजे चल दिया था। मगर, घर नहीं पहुंचा। तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। मोबाइल स्विच ऑफ जा रहा था। मामले में थाना एत्माद्दौला में गुमशुदगी दर्ज की गई। पुलिस ने जानकारी की तो पता चला कि घटना वाले दिन अमित ने अपनी ससुराल और दोस्त विकास से बात की थी।

इसके अलावा कोई कॉल नहीं किया। दोस्त के घर से निकलने के बाद छलेसर में हाईवे स्थित ढाबे के पास एक खोखे से पान मसाला खरीदा था। वह सीसीटीवी फुटेज में जाते हुए दिखा है। लेकिन लौटने का फुटेज नहीं है। स्कूटर भी नहीं मिला है।

लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर फिल्म अभिनेता श्री विक्रांत मैसी ने शिष्टाचार भेंट की।

विक्रांत मैसी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है. मुख्यमंत्री के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से एक फोटो को शेयर किया गया है. इसमें विक्रांत को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग खड़े देखा जा सकता है. योगी अपने ऑफिस में हैं. उन्होंने अपना सिग्नेचर आउटफिट पहना है. तो वहीं विक्रांत मैसी ब्लैक हुडी पहने हैं, जिसपर एक माइक बना है और साथ ही लिखा है– द साबरमती रिपोर्ट. फोटो के साथ कैप्शन में लिखा गया– आज लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर फिल्म अभिनेता श्री विक्रांत मैसी ने शिष्टाचार भेंट की।

मीरापुर में बड़ी कार्रवाई

दो दरोगा निलंबित, चुनाव ड्यूटी में लापरवाही करने पर गिरी गाज

मुजफ्फरनगर। मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन न करने पर दो दरोगा निलंबित कर दिए गए हैं। मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइंस का अनुपालन न करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर अभिषेक सिंह द्वारा निम्न उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई शुरू करा दी गई है।

इनके खिलाफ हुई कार्रवाई

जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई है उनमें उप निरीक्षक नीरज कुमार थाना शाहपुर, मुजफ्फरनगर और उप निरीक्षक ओमपाल सिंह थाना भोपा, मुजफ्फरनगर शामिल हैं।

अखिलेश यादव ने उठाए थे सवाल

बता दें कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पुलिसकर्मियों के लिए चेतावनी जारी की है। कहा कि ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसएसपी अभिषेक सिंह द्वारा दा सब इंस्पेक्टर को उपचुनाव में ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

सुम्बुल राना ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी सुम्बुल राना ने बताया की सीकरी में सुबह से पोलिंग रोकी हुई है। हम सुबह से शिकायत कर चुके हैं। कोई एक्शन नहीं हो रहा है। खेड़ी, मीरापुर, ककरौली सभी जगह मतदाताओं को रोका जा रहा है। प्रशासन मतदाताओं को परेशान कर रहा है। वोट डालने आ रहे लोगों को मतदान करने से रोका जा रहा है, लाठी चार्ज किया जा रहा है, खदेड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए चुनाव आयोग को पत्र लिखा गया है। पार्टी के पदाधिकारियों को भी अवगत कराया गया है। हम वोटर्स के साथ जा रहे हैं। इनका मतदान कराएंगे। लेकिन हम चले जाएंगे तो केंद्र पर फिर से मतदाताओं को रोका जाने लगेगा। इस पर कोई एक्शन नहीं ले रहा है।

देश की पहली नाइट सफारी में दो साल बाद कर सकेंगे सैर

लखनऊ,संवाददाता। देश की पहली नाइट सफारी दिसंबर 2026 तक पर्यटकों के लिए तैयार हो जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को हर हाल में जून 2026 तक कुकरैल नाइट सफारी पार्क और जू का काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। नाइट सफारी और जू 900 एकड़ से अधिक क्षेत्र में होगा। सीएम ने मंगलवार को कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर कुकरैल नाइट सफारी पार्क और जू के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, वन्य जीवों के लाने की समुचित व्यवस्था शुरू कर दी जाए। 72 फीसदी क्षेत्र में हरियाली विकसित की जाए। सौर ऊर्जा के लिए भी व्यवस्थाएं की जाएं।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना

मुख्यमंत्री ने कहा, नाइट सफारी राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके निर्माण के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से जरूरी अनुमति भी मिल गई है। 2026 में देश को पहली नाइट सफारी का उपहार मिल जाए। नाइट व डे सफारी का निर्माण चरणबद्ध रूप से होगा।

विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगी सफारी

कुकरैल नाइट सफारी का निर्माण हो जाने से यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर आ जाएगी। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे विदेशी पर्यटक भी आकर्षित होंगे। इसको लखनऊ के अन्य पर्यटन स्थलों से भी जोड़ा जाएगा।

जानवरों को लाने व क्वारंटीन करने की प्रक्रिया शुरू करें

मुख्यमंत्री ने जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने और क्वारंटीन करने की प्रक्रिया शुरू करने के भी आदेश दिए। उन्होंने कहा, परियोजना के तहत ईको टूरिज्म जोन भी विकसित किया जाएगा। क्वारंटीन सेंटर, वेटरनरी हॉस्पिटल, पोस्ट ऑपरेशन व ऑपरेशन थियेटर की भी समुचित व्यवस्था हो।

7–डी थिएटर, एडवेंचर जोन के साथ ही बच्चों के लिए भी रहेंगी खास व्यवस्थाएं

सीएम ने अफसरों को कैफेटेरिया, 7–डी थिएटर, ऑडिटोरियम, पार्किंग आदि की सुविधाएं विकसित करने को कहा। उन्होंने कहा कि एडवेंचर जोन खास होगा। इसमें सुपरमैन जिपलाइन, बर्मा ब्रिज गतिविधि, आर्चरी, जिप लाइन, पैडल बोट, स्काई रोलर, फाउंटेन आदि के लिए व्यवस्थाएं होंगी।

–बच्चों के लिए जंगल में एनिमल थीम व स्काई साइकिल जैसी सुविधाएं विकसित की जाएं। डे सफारी का विस्तार दूसरे चरण में होगा। बैठक में प्रदेश सरकार के वन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, शासन व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

नाइट–डे सफारी की ये खासियतें होंगी

– नाइट सफारी क्षेत्र में इंडियन वॉकिंग ट्रे, इंडियन फुटहिल, इंडियन वेटलैंड, एरिड इंडिया व अफ्रीकन वेटलैंट की थीम पर विकसित किए जाने वाले क्षेत्र मुख्य आकर्षण होंगे।
– सफारी में पर्यटकों को सैर कराने के लिए 5.5 किमी लंबा ट्रामवे बनाया जाएगा। 1.92 किमी का पाथवे भी होगा।
– नाइट सफारी में एशियाई शेर, घड़ियाल, बंगाल टाइगर, उड़न गिलहरी, तेंदुआ, लकड़बग्घा आदि मुख्य आकर्षण होंगे।
– विश्वस्तरीय वन्य जीव चिकित्सालय व रेस्क्यू सेंटर भी होगा।

जू में ये आकर्षण होंगे

– जू में सारस क्रेन, स्वांप डियर, हिमालयन भालू, साउथ अफ्रीकन जिराफ, अफ्रीकन लॉयन व चिंपैंजी मुख्य आकर्षण होंगे।
– जू को अफ्रीकन सवाना, इनक्लेडिबल इंडिया, इंजीनियर्ड वेटलैंड की थीम पर विकसित किया जाएगा।

कांग्रेस के नेता शशि थरूर ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर गुस्सा जाहिर करते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया है. शशि थरूर ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि दिल्ली आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है. यहां हवा का स्तर 4 गुना खतरनाक है और यह शहर दूसरे सबसे प्रदूषित शहर ढाका से लगभग पांच गुना ज्यादा प्रदूषित है. यह गलत है कि हमारी सरकार सालों से इसको देख रही है और इसके बारे में कुछ नहीं करती है. क्या दिल्ली को देश की राजधानी होना चाहिए?

कशिश कपूर ने गर्मागर्मी में कसा रजत दलाल पर तंज

मैंने लोगों को गाड़ियों से नहीं उड़ाया...

एंटरटेनमेंट डेस्क। बिग बॉस 18 के घर का माहौल गर्माया हुआ है। कशिश कपूर ने रजत दलाल के जरिए शख्स को कार से उड़ाने के वायरल वीडियो पर तंज कस दिया है। बिग बॉस 18 में आए दिन माहौल बदलते रहते हैं। साथ ही रिश्ते भी पलभर में टूटते और बनते नजर आते हैं। इसी बीच कशिश कपूर और रजत दलाल दोस्त से दुश्मन बन गए हैं। दोनों की दुश्मनी की शुरुआत कशिश के समर्थन के बाद टाइम गॉड बने रजत दलाल की तरफ से उन्हें नॉमिनेट करने के बाद हुई। नॉमिनेशन के बाद भड़कीं कशिश कपूर ने रजत दलाल पर धोखा देने का आरोप लगाना शुरू कर दिया, फिर रजत ने भी उन पर पलटवार किया। हालांकि, जुबानी जंग गंदी लड़ाई में तब्दील हो गई और कशिश ने रजत के जरिए शख्स पर गाड़ी चढ़ाने के मुद्दे को छेड़ दिया। इसने शबिग बॉसश के घर का माहौल और ज्यादा गर्म कर दिया है।

कशिश ने कसा रजत दलाल पर तंज

हालिया एपिसोड में, कशिश और रजत को बहस करते हुए देखा गया, जहां रजत ने शो के बजाय पैसे को प्राथमिकता देकर शस्प्लिट्सविलाश छोड़ने के लिए कशिश पर कटाक्ष करने की कोशिश की। तो वहीं, कशिश ने भी रजत पर जोरदार पलटवार करते हुए उनके जरिए की गई दुर्घटना विवाद पर चुटकी ली। कशिश ने कहा, श्मैंने कभी गाड़ियों से नहीं उड़ाया लोगों को शायद।श

वायर ल वीडियो के बाद मचा था बवाल

बता दें, रजत दलाल उस वक्त विवाद में फंस गए थे, जब उनका एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया था। क्लिप में रजत जानबूझकर एक बाइक सवार को टक्कर मारते नजर आएं और उसकी मदद के लिए पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। रजत को इस बात पर कोई अफसोस नहीं है क्योंकि बाइक सवार को टक्कर मारने का वीडियो उनके साथ गाड़ी में बैठीं महिला मित्र ही बना रही थीं। क्लिप के वायरल होते ही बिग बॉस 18 के प्रतियोगी को गंभीर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

कौन हैं रजत दलाल?

रजत दलाल, एक फिटनेस इन्फ्लुएंसर हैं और वर्तमान में बिग बॉस 18 में हैं। अपनी सोशल मीडिया उपस्थिति के लिए जाने जाने वाले रजत ने फिटनेस कंटेंट के अलावा पिछले विवादों के लिए भी ध्यान आकर्षित किया। शो में उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा और तजिंदर बग्गा जैसे अन्य प्रतियोगियों के साथ उनकी बहस भी हुई। दलाल ने साफ किया है कि कि वह अपने पिछले मुद्दों से खुद को दूर करते हुए शो में अपना एक अलग पक्ष दिखाना चाहते हैं।

43 की उम्र का जलवा

राजनीति पर बनी बेहतरीन वेब सीरीज

पसंद आई फ्रीडम एट मिडनाइट

देख डालिए राजनीति पर बनी ये शानदार वेब सीरीज

एंटरटेनमेंट डेस्क। भारत में राजनीति का अपना एक खास महत्व है। इस विषय पर कई बेहतरीन वेब सीरीज भी बन चुकी हैं। आइए जानते हैं ऐसे शोज के बारे में...सोनी लिव की वेब सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट इन दिनों सुर्खियों में है। हाल ही में इसे रिलीज किया गया है। भारतीय राजनीति की महत्वपूर्ण धटनाओं पर आधारित इस शो को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। साथ ही, इसे समीक्षकों ने भी सराहा है। अगर आपको भी पॉलिटिक्स पर बनी वेब सीरीज पसंद है, तो ओटीटी पर इस शो के अलावा कई अन्य वेब सीरीज का लुत्फ उठा सकते हैं।

महारानी में हुमा कुरैशी ने मुख्य भूमिका निभाई है। इस शो का तीन सीजन आ चुका है। तीनों को ही दर्शकों ने खूब पसंद भी किया। यह शो बिहार की एक ऐसी महिला की कहानी बयां करता है, जो बिना किसी योजना के राजनीति में कदम रखती है। 90 के दशक में बिहार की राजनीति को दिखाती इस वेब सीरीज का हर एक दृश्य आपको सीट से बांधे रखता है।

कृति सेनन

दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना कृति सेनन ने कबीर को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

एंटरटेनमेंट डेस्क। कृति सेनन इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं, उनका नाम कबीर बहिया से जोड़ा जा रहा है। जबकि वह खुलकर इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने कबीर को जन्मदिन पर विश किया। कृति सेनन ने पिछले दिनों एक फिल्म दो पत्ती की। इसमें काजोल जैसी नामी अभिनेत्री भी अहम भूमिका में नजर आईं। तमाम कोशिशों के बावजूद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली। वैसे कृति सिर्फ अपनी फिल्मों के कारण ही खबरों में नहीं बनी हुई हैं वह अपने एक रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं। अब तक कृति ने इस रिश्ते को स्वीकार तो नहीं किया है। लेकिन उन्होंने कबीर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक प्यारा सा जन्मदिन का संदेश भेजा है। इसके बाद से ही फैंस ने कहना शुरू कर दिया है कि कृति और कबीर ने अपना रिश्ता कबूल कर लिया है।

कृति ने प्यार से कहा जन्मदिन

कृति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कबीर बहिया के साथ एक फोटो अपनी स्टोरी पर लगाया और उस पर एक प्यारा सा संदेश भी लिखा। कृति लिखती हैं–श्जन्मदिन मुबारक हो कबीर। आपकी मासूम मुस्कान हमेशा कायम रहे।श इसके अलावा उन्होंने रेड हार्ट वाला इमोजी भी अपने संदेश के साथ लगाया। इस रेड हार्ट वाले इमोजी के कारण ही फैंस ने कहना शुरू कर दिया है कि कृति ने कबीर के साथ अपने रिश्ते को खुलकर स्वीकार किया है।

कृति ने चुप्पी साधी हुई है

यह पहली बार नहीं है कि कृति कबीर के साथ सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर रही हैं। इससे पहले भी वह कई मौकों पर कबीर के साथ फोटोज साझा कर चुकी हैं। लेकिन जब भी कोई उनसे कबीर के साथ रिश्ते को लेकर बात करता है तो वह चुप्पी साध लेती हैं इस पर खुलकर नहीं बोलती हैं।

कृति की आने वाली फिल्में

इस साल रिलीज हुई फिल्म दो पत्ती की असफलता से कृति निराश नहीं है। वह आगे भी कुछ फिल्में कर रही हैं। अगले साल वह हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार और चंकी पांडे जैसे कलाकारों के साथ नजर आएंगी। बतौर निर्माता भी वह कुछ और अच्छी फिल्में बनाने की ख्वाहिश रखती हैं।

ईडन गार्डन में बनेगा उनके नाम का स्टैंड

पूर्व गेंदबाज झूलन गोस्वामी को मिलेगा बड़ा सम्मान

स्पोर्ट्स डेस्क। गोस्वामी ने 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 वनडे मैच में 255 विकेट लिए और 68 टी20 मैच में 56 विकेट झटके हैं। उनके 355 विकेट हैं जिससे उनके नाम महिला खिलाड़ियों के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी है।

बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के प्रस्ताव के बाद ईडन गार्डन के बी ब्लॉक में पूर्व भारतीय महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम पर एक स्टैंड बनाया जाएगा। गोस्वामी के सम्मान में बी ब्लॉक का नाम बदलने का प्रस्ताव कैब की शीर्ष संस्था के समक्ष रखा गया और अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले साल 22 जनवरी को भारत और इंग्लैंड टी20 मैच के दौरान इसका अनावरण किया जाएगा।

ईडन गार्डन में इन दिग्गजों के नाम का स्टैंड मौजूद

गोस्वामी ने 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 वनडे मैच में 255 विकेट लिए और 68 टी20 मैच में 56 विकेट झटके हैं। उनके 355 विकेट हैं जिससे उनके नाम महिला खिलाड़ियों के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी है। ईडन गार्डन में अभी पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली और दिवंगत पंकज रॉय के अलावा पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष दिवंगत जगमोहन डालमिया और विश्वनाथ दत्त के नाम पर स्टैंड हैं।

राजगीर : महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ जीत दर्ज करने पर खुशी में दौड़तीं भारतीय टीम की खिलाड़ी।

भारत ने जापान को हराकर फाइनल में बनाई जगह, 2-0 से दर्ज की शानदार जीत

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः— 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

विराट कोहली के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बोले सौरव गांगुली

वह एक चैंपियन बल्लेबाज हैं और उन्होंने पहले भी ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया है. उन्होंने 2014 में वहां चार शतक और 2018 में एक शतक लगाया था. वह इस सीरीज में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे और उन्हें इस बात का भी अहसास होगा कि यह उनका आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा हो सकता है.

आज ही वर्ल्ड कप हारी थी टीम इंडिया, टूटा था 140 करोड़ भारतीयों का दिल